

२३/१२५

पत्तावली पेना हुई। अधि. वाली मय वाली अनुपास्मित।
रुम-रुम कर तीन-बार आवामे फिरगरी गई। समस
कोम 5 PM हो चुका है। सम. वाली मय सखिगन्ता वाली
के अनुपास्मित रहे पर वाली का बाद अदम हापरी।
अदम पेसी में खादिल फिला पाया है। पत्तावली मॉसल
शुमार होकर जल्द से मय ही।

निगिप सुपाना मया।

